डॉ. भारत धोंडिराम सगरे
एम्.ए., बी.एड्.,पीएच्.डी.
अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
लाल बहादुर शास्त्री कॉलेज,
सातारा।

संस्तुति

मैं संस्तुति करता हूँ कि **श्री. जयसिंग गोवर्धन चवरे** का एम्. फिल. (हिंदी) उपाधि हेतु प्रस्तुत **''सर्वेश्वरदयाल सक्सेना के उपन्यासों का अनुशीलन''** ('सूने चौखट' और 'सोया हुआ जल' के विशेष संदर्भ में) लघु-शोध-प्रबंध परीक्षणार्थ अग्रेषित किया जाए।

(श्री. सुहास साळुंखे)
प्राचार्य
लाल बहादुर शास्त्री कॉलेज,
सातारा।

(डॉ. भारत धोंडिराम सगरे)
अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
लाल बहादुर शास्त्री कॉलेज
सातारा।

स्थान : सातारा
तिथि : 31|12|2006

डॉ. मोहन पुंडलिक जाधव
एम्.ए.(हिंदी), एम्.ए. (मराठी)
बी.एड्., पीएच्.डी. (हिंदी)
प्रवक्ता, हिंदी विभाग,
छत्रपति शिवाजी कॉलेज, सातारा।

प्रमाणपत्र

मैं प्रमाणित करता हूँ कि **श्री. जयसिंग गोवर्धन चवरे** ने मेरे निर्देशन में **''सर्वेश्वरदयाल सक्सेना के उपन्यासों का अनुशीलन''** ('सूने चौखटे' और 'सोया हुआ जल' के विशेष संदर्भ में) लघु शोध-प्रबंध शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्. फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए लिखा है। यह कार्य पूर्व योजनानुसार संपन्न हुआ है और इसमें शोध-छात्र ने मेरे सुझावों का पूर्णतः पालन किया है। जो तथ्य लघु शोध-प्रबंध में प्रस्तुत किए हैं, मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं। शोध-छात्र के कार्य से मैं पूर्णतः संतुष्ट हूँ। यह रचना इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय की उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

शोध-निर्देशक

स्थान : सातारा

तिथि : 31/12/2006

डॉ. मोहन पुंडलिक जाधव

प्रख्यापन

"**सर्वेश्वरदयाल सक्सेना के उपन्यासों का अनुशीलन**" ('सूने चौखटे' तथा 'सोया हुआ जल' के विशेष संदर्भ में) यह लघु शोध-प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो एम्. फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए प्रस्तुत की जा रही है। यह रचना इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय की उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

शोध-छात्र

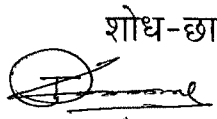

(श्री. जयसिंग गोवर्धन चवरे)

स्थान : ~~कोल्हापुर।~~ सातारा

तिथि : ३१/१२/२००६